एम.ए. हिंदी (एम.एच.डी.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–06

हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास

सत्रीय कार्य (जुलाई–2023 और जनवरी–2024) सत्रों के लिए

जुलाई–2023 सत्र के लिए अंतिम तिथि : 31 मार्च, 2024

जनवरी–2024 सत्र के लिए अंतिम तिथि : 30 सितम्बर, 2024

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

एम.एच.डी.–06
हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–06
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी.–06/टी.एम.ए./2023–24

कुल अंक: 100

एम.ए. हिंदी का यह अनिवार्य पाठ्यक्रम हैं। ''हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास'' में आपने आदिकाल से लेकर आधुनिक काल तक की विभिन्न काव्य प्रवृत्तियों, हिंदी गद्य साहित्य एवं भाषा के विकास का ऐतिहासिक दृष्टि से अध्ययन किया है।

सत्रीय कार्य का एक और उद्देश्य है– सत्रांत परीक्षा के लिए आपको तैयार करना। सत्रांत परीक्षा में जो सवाल आपसे पूछ जाएँगे उनका ढाँचा सत्रीय कार्य में पूछे गए सवालों जैसा ही होगा। इसीलिए सत्रीय कार्य को आप गंभीरता से लें। सत्रीय कार्य और सत्रांत परीक्षा में पूछे गए सवाल दो प्रकार के होंगे।

कुछ प्रश्न निबंधात्मक या विवेचनात्मक होंगे जो पाठ्यक्रम में शामिल हिंदी काव्य प्रवृत्तियों, गद्य साहित्य तथा हिंदी भाषा के ऐतिहासिक विकास से संबंधित हो सकते हैं।

दूसरे प्रकार के प्रश्नों में आपको विभिन्न विषयों पर विवरणात्मक/आलोचनात्मक टिप्पणियाँ लिखनी होंगी। निबंधात्मक प्रश्नों के लिए लगभग 60 प्रतिशत तथा टिप्पणीपरक प्रश्नों के लिए 40 प्रतिशत अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रांत परीक्षा में निबंधात्मक प्रश्न 60 से 80 प्रतिशत के हो सकते हैं।

सत्रीय कार्य
(खंड 1 से 8 पर आधारित)

1. आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए। 12
2. प्रमुख भक्तिकालीन संत कवियों का परिचय दीजिए। 12
3. छायावाद की मूल प्रवृत्तियों का सोदाहरण विवेचन कीजिए। 12
4. 'स्वतंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास' पर निबंध लिखिए। 12
5. हिंदी भाषा के विकास के विविध पहलुओं पर प्रकाश डालिए। 12
6. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणी लिखिए : 8X5=40
   (क) रीतिकाल का नामकरण
   (ख) प्राकृत पैंगलम
   (ग) हिंदी में प्रगतिशील काव्य की परंपरा
   (घ) रामकाव्य में समन्वय साधना
   (ङ) द्विवेदी युगीन निबंध